History of Social Thought- BA Part IIIrd Paper V

(समाजशास्त्र) Auguste Comte Law of Three Stage

आगस्त कोंटका तीन स्तरीय सिद्धान्त

Ram
Dr. Ram Kumar
Reader
Dept of Sociology
Shershah College
Sasaram

Date
25 August-20
Tuesday
25/8/20

मानव का बौद्धिक विकास अर्थात मानव प्रगति, जो ज्ञान के विकास पर आधारित है जिसे प्रगति का नियम (Law of Progress) भी कहा जाता है। इस नियम के अनुसार यह माना जाता है कि हमारे प्रत्येक अग्रणी विचार हमारे ज्ञान की प्रत्येक शाखा, हमारा समस्त मानवीय बौद्धिक विकास तीन विभिन्न सैद्धान्तिक स्तरों के क्रमिक रूप से गुजरता है। प्रत्येक स्तर के साथ एक विशिष्ट प्रकार का सामाजिक संगठन और राजनीतिक प्रभुत्व जुड़ा होता है। ये तीन स्तर निम्नलिखित है।

→ (I) धार्मिक स्तर या काल्पनिक स्तर - Theological stage

इस स्तर पर ~~इसमें~~ प्रत्येक घटना की व्याख्या अलौकिक या अधिदैविक आधार पर की जाती है और इसी आधार पर उसे समझने का प्रयास किया जाता है यह स्तर तीन उप स्तरों मे बाँटा हुआ है।

→ (a) जीवित सत्तावाद (Fetichism)
→ (b) बहुदेववाद - Polytheism -
→ (c) एकदेववाद (Monotheism)

→ (II) तात्विक या अपूर्ण स्तर - इस स्तर पर व्याख्या और बोध के स्रोत अमूर्त शक्तियों को माना जाता था। इस काल मे सामाजिक ईकाई के रूप मे राजनीतिक प्रभुत्व पर्व अधिकारियों और विधि विशेषज्ञों के पास चला गया।



Scanned by TapScanner

इस स्तर में समाज मे धन का महत्व बढ़ने लगा और कुबेर तंत्र या धनिक तंत्र आ गया।

↓

→ (III) प्रत्यक्षवादी स्तर - (Positivism stage) इसे वैज्ञानिक स्तर भी कहते हैं। इसमे किसी घटना को वैज्ञानिक ढंग अवलोकन, परीक्षण, मूल्यांकन वर्गीकरण, से देखा जाने लगा और कार्य कारण सम्बन्ध को खोजा जाने लगा। इससे समाज मे प्रजातंत्र Democracy आ गया।

→ कॉफ्ट का कहना है कि उपयुक्त तीनो अवस्थाएँ साथ-2 भी हो सकती हैं और इनके क्रम मे परिवर्तन भी हो सकता है

कॉट को प्रत्यक्षवाद का जनक कहा जाता है। समाजशास्त्र को विज्ञान बनाने का कॉट का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। किसी भी घटना या समस्या का वैज्ञानिक पद्धति (अवलोकन परीक्षण मूल्यांकन वर्गीकरण निष्कर्ष आदि) द्वारा किया गया अध्ययन है। अगर समाजशास्त्र को विज्ञान बनाना है तो किसी भी घटना के प्रत्यक्ष अवलोकन पर बल देना आवश्यक है। प्रत्यक्षवाद एक पद्धति है जिससे किसी घटना की सार्वभौमिक व्याख्या की जा सकती है।

Prem
(Dr. Amrik Singh)
Reader
Deptt of Sociology
Shershah College
Sasaram
(25/8/20)
प्राध्यापक

Scanned by TapScanner